

## भारत में आत्महत्या की प्रवृत्ति

### प्रलिस के लयि:

वशिव आत्महत्या रोकथाम दविस, आत्महत्या की रोकथाम के लयि अंतर्राष्ट्रीय संघ, राष्ट्रीय अपराध रकिर्रड बयूरो, [मानसकि स्वास्थय देखभाल अधनियिम, 2017](#), [करिण हेलपलाइन](#), [मनोदरपण पहल](#), [राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति 2022](#)

### मेन्स के लयि:

भारत में आत्महत्या के प्रमुख कारक

[स्रोत: द हट्टि](#)

### चरचा में कयों?

हाल ही में भारत में [वशिव आत्महत्या रोकथाम दविस](#) मनाया गया। इस अवसर पर देश में [महिलाओं](#), [वशेषकर गृहणियों](#) द्वारा आत्महत्या की घटनाओं में वृद्धि, जो कएक गंभीर समस्या है, पर चति व्यक्त की गई।

- आत्महत्या, [जसिमें सबसे अधिक संख्या गृहणियों की होती है](#), के मुद्दे को अक्सर नज़रअंदाज कर दिया जाता रहा है। हालिया वर्षों में इन घटनाओं की संख्या में हुई वृद्धि चतिजनक है।

### वशिव आत्महत्या रोकथाम दविस:

- [वशिव आत्महत्या रोकथाम दविस](#) प्रत्येक वर्ष 10 सतिंबर को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2003 में WHO और इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रविशन (IASP) द्वारा की गई थी।
  - यह आत्महत्या संबंधी [पूर्वाग्रहों को कम करने और संगठनों, सरकार तथा जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने](#) के साथ आत्महत्या को रोकने का संदेश देता है।
- वर्ष 2021- 2023 तक के लयि वशिव आत्महत्या रोकथाम दविस की थीम ["कार्रवाई के माध्यम से उम्मीद बढ़ाना"](#) (Creating hope through action) है। इस थीम का उद्देश्य सभी में आत्मवशिवस और प्रबुद्धता की भावना को प्रेरति करना है।

### भारत में गृहणियों के समक्ष चुनौतियाँ:

- [हालिया आँकडे: राष्ट्रीय अपराध रकिर्रड बयूरो](#) के अनुसार, वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वाली महिलाओं में गृहणियों का अनुपात 51.5% था।
  - इस संदर्भ में [केरल](#), [तमलिनाडु](#), [तेलंगाना](#) और [कर्नाटक](#) सूची में शीर्ष पर हैं।
  - आत्महत्या की कुल घटनाओं में लगभग 15% गृहणियों से संबंधति हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को रेखांकति करती है।
- [चुनौतीपूर्ण परस्थितियाँ](#):
  - [आने-जाने पर प्रतबंध](#): भारत में, वशेषकर ग्रामीण कषेत्रों में कई महिलाओं का घर से बाहर कहीं आने-जाने पर प्रतबंध होता है।
    - [सामाजकि मानदंड और सुरक्षा संबंधी चतियों के कारण](#) अक्सर वे अकेले यात्रा करने या फरि अपने घरों से दूर जाने से परहेज करती हैं।
    - ये परस्थितियाँ उनमें अलगाव और असहायता की भावनाओं को जन्म दे सकती हैं।
  - [वतितीय स्वायत्तता की कमी](#): अपने [जीवनसाथी या परिवार पर आर्थकि नरिभरता](#) महिलाओं के प्रतविभिन्न प्रकार के दुरव्यवहार के प्रतवि उन्हें संवेदनशील बना सकती है। वतितीय स्वतंत्रता की कमी, [वैवाहकि नयितरण](#); [भारतीय समाज में पारंपरकि लैंगकि भूमकिाएँ](#) और [प्रतिसततात्मक मानदंडों](#) के परणामस्वरूप, वशेषकर ववाह के संदर्भ में महिलाओं को बहुत कम स्वतंत्रता प्राप्त है।
    - ["महिलाओं को अपने पति और ससुराल वालों की इच्छाओं के अनुरूप होना चाहयि"](#) ऐसी अपेक्षा वविशता की भावनाओं को

जन्म दे सकती है।

- शारीरिक, यौन और भावनात्मक दुरुव्यवहार: शारीरिक, यौन एवं भावनात्मक शोषण सहित [घरेलू हिंसा](#) भारत में एक गंभीर समस्या है। कई महिलाएँ कलंक, प्रतیشोध के डर या समर्थन के अभाव के कारण इस प्रकार के दुरुव्यवहार को चुपचाप सहन करती रहती हैं।
- मदद मांगने की इच्छा न होना: मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा करने और मदद मांगने को लेकर भारत में सामाजिक पूरवाग्रह व्यापक है। कई महिलाएँ बाहरी सहायता लेने या अपने संघर्षों के बारे में दूसरों को बताने में झिझकती हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँच में कमी देखी जाती है।

## भारत में आत्महत्या की समस्या के अन्य कारक:

- **कृषिसंकट और किसानों द्वारा आत्महत्याएँ:** भारत की [कृषि अर्थव्यवस्था](#) को [अनियमित मौसम पैटर्न](#), भूमि क्षरण और उच्च इनपुट लागत सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
  - करज के बोझ और फसल की बरबादी के कारण बड़ी संख्या में किसानों द्वारा आत्महत्या की गई।
  - भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में [कीटनाशकों](#) जैसे घातक पदार्थों तक पहुँच अपेक्षाकृत सरल है और यह आवेगपूर्ण आत्महत्याओं की उच्च दर में योगदान देता है।
- **शैक्षणिक दबाव:** भारत की प्रतस्पर्धी शिक्षा प्रणाली छात्रों पर उच्च शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु अत्यधिक दबाव डालती है।
  - **वफ़िलता का डर और माता-पिता की अत्यधिक उम्मीदें छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं** को जन्म देने के साथ ही उनमें आत्महत्या की प्रवृत्तियों को बढ़ावा देती हैं, जिससे छात्रों को लगता है कि उनके पास कोई रास्ता नहीं बचा है।
- **मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी:** मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के हालातिया प्रयासों के बावजूद अभी भी मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में **कफ़ायती मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुँच** है।
  - यह समस्या भारत में मानसिक स्वास्थ्य संकट को बढ़ाती है और **आत्महत्याओं में वृद्धि** से जुड़ी एक सर्वोपरि चिंता के रूप में उभरती है।
- **LGBTQ+ व्यक्तियों पर पारिवारिक दबाव:** भारत में कई [LGBTQIA+](#) व्यक्तियों को अपने परिवारों से गंभीर भेदभाव और अस्वीकृति का सामना करना पड़ता है, जिससे अलगाव एवं अवसाद की भावना उत्पन्न होती है।
- परिवारों द्वारा स्वीकृति और समर्थन की यह कमी इस समुदाय की **आत्महत्याओं में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण कारक** है।
- **साइबरबुलिंग:** प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के उदय के साथ **साइबरबुलिंग** एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है, खासकर युवाओं के बीच। ऑनलाइन उत्पीड़न एवं धमकी का मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर परिणाम हो सकता है जो आत्महत्या की घटनाओं को बढ़ा सकता है।

## आत्महत्या की रोकथाम से संबंधित हालिया सरकारी पहल:

- [मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम \(MHA\), 2017](#)
- [करिण \(KIRAN\) हेल्पलाइन](#)
  - [मनोदरपण पहल](#)
- [राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति, 2022](#)

## आगे की राह

- **गृहणियों को सशक्त बनाने के लिये AI और नवाचार का लाभ उठाना:** विशेष रूप से उन **गृहणियों के लिये** डिज़ाइन किये गए [AI-संचालित कौशल विकास](#) एवं रोज़गार नियोजन कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता है जो कार्यबल में प्रवेश या पुनः प्रवेश करना चाहती हैं।
  - AI उन कौशलों और रोज़गार के अवसरों की पहचान करने में सहायता कर सकता है जो उनकी रुचियों तथा क्षमताओं के अनुरूप हों।
  - ये कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं, जैसे **दूरस्थ कार्य, फ्रीलांसिंग या अंशकालिक रोज़गार**, जिससे गृहणियों में **वित्तीय स्वतंत्रता की भावना और उद्देश्य की प्राप्ति की अनुमति मिलती है**।
- **मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच में सुधार:** अधिक संख्या में मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिकों की स्थापना और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित कर, विशेष रूप से ग्रामीण तथा कम सेवा वाले क्षेत्रों में [मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं](#) की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है।
- मानसिक स्वास्थ्य विकारों का शीघ्र पता लगाने और हस्तक्षेप सुनिश्चित करने हेतु **मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में एकीकृत** करने की आवश्यकता है।
- **वधियान और वनियमन:** [कीटनाशकों](#) की बिक्री पर सख्त नियम लागू करने की आवश्यकता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्महत्या का एक सामान्य तरीका है।
  - साथ ही **साइबरबुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ कानून लागू करने से युवाओं में मानसिक समस्या को कम करने में सहायता** मिल सकती है।

**UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष प्रश्न**

**??????:**

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/suicidal-patterns-in-india>

